DEATH OF SHRI PRABHAKARAN THAMPAN

Mr. Speaker: I have to inform the House of the sad demise of Shri Prabhakaran Thampan, who died on the 28th May, 1957, in Coimbatore. He was a Member of the old Central Legislative Assembly.

I am sure the House will join with me in conveying our condolences to his family. The House may kindly stand in silence for a minute to express its sorrow.

(The Members then stood in silence for a minute).

MOTION FOR ADJOURNMENT

SATYAGRAHA COMPAIGN IN CHANDIGARH

Mr. Speaker: I have received notice of an adjournment motion tabled by Shri Vajpayee. It reads:

> "The failure of the Union Government in solving the language issue in the Punjab resulting in the starting of satyagraha campaign by the Arya Samaj in Chandigarh since the 30th May".

How is this the responsibility of the Central Government?

श्री वाजपेयी (बलरामपुर) आज के दैनिक पत्रों में पंजाब के मुख्य मंत्री सरदार प्रताप सिंह कैरो ने.. ...

अध्यक्ष महोदय : यह तो सब जानते हैं लेकिन

how is the Central Government concerned about it:

श्री वाजपेयी : मुख्य मंत्री का कहना है कि पंजाब में जो भी भाषा नीति अपनाई जा रही है वह केन्द्रीय सरकार द्वारा निश्चित की गई नीति है और केन्द्रीय सरकार के परामर्श के बिना वह कोई परिवर्तन नहीं कर सकते हैं। पंजाब एक सीमान्त प्रदेश है और पंजाब में घटने वाली घटनाओं से यह संसद् या केन्द्रीय सरकार उदासीन नहीं रह सकती है।

Mr. Speaker: May I know what the hon. Home Minister has to say?

गृह-कार्य मंत्री (पंडित गो० ब० पन्त) : मुझे भी बड़ा खेद है कि इस प्रकार का आन्दोलन पंजाब में शुरू किया गया है। हम लोग यह आशा कर रहे थे कि पंजाब के सभी मतभेद वाले प्रश्न हल हो गये हैं और पंजाब जैसे महत्वपूर्ण प्रदेश में अब सब मिलजुल कर काम करेंगे। फिर इस पार्लियामेंट में जो निश्चय हुआ है उसके अनुसार सब बातें हो रही हैं और देश के हर एक समझदार आदमी को अपनी तरफ से समर्थन कर के उन्हें और भी प्रोत्साहन देना चाहिए। उसके विरुद्ध कोई आन्दोलन हो तो बड़े दुःख की बात है। परन्तु जो कोई निश्चय है वे मुद्दत हुई तब हुए थे। अगर कोई आदमी ऐसी बात का विरोध करे तो फिर यह केन्द्रीय सरकार क्या उसमें कर सकती है या प्रादेशिक सरकार क्या कर सकती है, यह समझ में नहीं आता है। मैं तो जिन सज्जन ने यह प्रस्ताव दिया है, उन से प्रार्थना करूंगा कि वह आर्य समाज के नेताओं और लोगों से अनुरोध करें कि वे इस प्रकार के अपने आन्दोलन को छोड़ दें। यह देश के हित में नहीं है और इससे आपस में सिखों और हिन्दुओं के अन्दर मेल बढ़ने के बदले में खिंचाव बढ़ेगा जोकि देश के लिए और पंजाब के लिए अहितकर है और सब को मिलजुल कर काम करना चाहिए। जो बातें निश्चित हुई हैं वे इन सब के हित की हैं। कम से कम एडजोर्नमेंट मोशन के लिए तो कोई मामला ही नहीं है। खेद मुझे भी है लेकिन दोष उनका है जो आन्दोलन कर रहे हैं न कि उनका जो नीति निश्चित हुई है उसके अनुसार कार्य कर रहे हैं।

Shri Vajpayee: May I make a submission?

अभी गृह-मंत्री महोदय ने जो कुछ कहा है उसके सम्बन्ध में मुझे इतना ही निवेदन करना है कि यदि केन्द्रीय सरकार पंजाब सरकार और आर्य समाज के नेताओं के बीच में जो विवाद चल रहा है उसके सम्बन्ध में स्वयं कोई पक्ष